

२०/२४०

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा

बाल सत्संग - २

(रविवार, २० जुलाई, २००३)

समय : सुबह ९:०० से ११:००

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न संख्या	प्राप्तांक
	१.	
	२.	
	३.	
	४.	
	५.	
	६.	
	७.	
	८.	
	९.	
	१०.	
	स्वच्छ अक्षर	
	कुल	

कुल अंक : १००

परीक्षार्थी क्रमांक

--	--	--	--	--	--

शब्दों में

केन्द्र क्रमांक

--	--	--	--

केन्द्र का नाम

परीक्षार्थी की उम्र : वर्ष

परीक्षार्थी का अभ्यास :

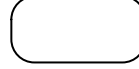
वर्ग सुपरवाइज़र के हस्ताक्षर :

सूचना :-

१. दायीं ओर दिए गए अंक प्रश्न के पूर्णांक हैं ।
२. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
३. छेकछाक वाले उत्तर अमान्य होंगे ।

४. बढ़िया, सुंदर और स्वच्छ लिखावट के लिए
पाँच गुणांक आरक्षित हैं।

परीक्षक के हस्ताक्षर :



प्र. १. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से योग्य शब्द का उपयोग करके रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । [१०]

१. मूलजी भक्त की माता का नाम था ।
(हेतवा, साकरवा, पुरीबा)
२. महाराज के लिये भाव से दिया गया एक पैसा रूपये थे ।
(सहस्र, लाख, करोड़)
३. गुणातीतानंद स्वामी के समाधि स्थान को कहते हैं ।
(अक्षर मन्दिर, अक्षर देरी, स्मृति मंदिर)
४. दिन में एक बार एकादशी आती है । (११, २२, १५)
५. गुणातीतानंद स्वामी सवारी गाँव में निकली थी ।
(गोंडल, खंभात, जूनागढ़)
६. प्रभु के गुण गाने के लिये है । (होट, मुख, जिह्वा)
७. गुणातीतानंद स्वामी ने का व्यसन छुड़वाया था ।
(मूलु खाचर, रामो हाटी, सगराम वाघरी)
८. श्रीजीमहाराज ने की यात्रा करने के लिये सुन्दरजी को भेजा था ।
(गोंडल, भूज, काशी)
९. संत लोग में खाना खाते हैं ।
(पत्तर, लकड़ी की थाली, गिलास)
१०. अरदेशर कोटवाल थे फिर भी महाराज के सच्चे भक्त थे ।
(पारसी, जैन, हिन्दु)

प्र. २. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । [१०]

१. रामानंद स्वामी ने गुणातीतानंद स्वामी का नाम 'मूलजी' क्यों रखा ?
.....
२. भावनगर में ठाकुरजी ने थाल में से क्या-क्या खाया ?
.....
३. श्रीजीमहाराज का पत्र पढ़कर कितने लोग साधु होने के लिये निकल गये ?
.....
४. एकादशी करने से शरीर किस प्रकार शुद्ध होता है ?
.....
५. गेहूँ पीसने में महाराज ने स्त्री के साथ कौन-सी शर्त रखी ?
.....

प्राप्त गुण : प्रश्न-२

प्रश्न-३

६. शास्त्री नारायणस्वरूपदास कितने साल की उम्र में प्रमुख बने ?

.....

७. फटी गुदडी ओढ़कर स्वामी सवारी में निकले हैं, यह बात सुनकर नवाब ने क्या कहा ?

.....

८. अपना दरबार किसने महाराज को मंदिर के लिए अर्पण किया ?

.....

९. तिलक टीका किसका प्रतीक है ?

.....

१०. ठोठ विद्यार्थी ने अपने हाथ में चाकू से घाव लगाकर क्या कहा ?

.....

प्र. ३. निम्नलिखित वाक्य कौन किससे कहते हैं, यह लिखिए । (किन्हीं पाँच)

[१०]

१. “घर को जलाकर आये हो ?”

.....

२. “मेरी इच्छा धनवान होने की नहीं है । मैं साधु बनूँगा ।”

.....

३. “यही एक ऐसा काम है, जो मुझे आता है ।”

.....

४. “आपको जो भी करना हो, वही कीजिए, लेकिन मैं भगवान का नाम नहीं छोड़ूँगा ।”

.....

५. “छोटी बड़ी सेवा ढूँढ निकालूँगा ।”

.....

६. “यदी आप सब इजाजत दें दो तो मैं वरताल जाऊँ ।”

.....

७. “अहमदाबाद में गरम पानी और गरम रोटी का कैसा योगानुयोग हुआ ?”

.....

प्र. ४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन पंक्तियों में दीजिए । (किन्हीं पाँच)

[१०]

१. श्रवण हररोज भगवान को क्या प्रार्थना करता था ?

.....

२. मूलजी ने गाँव में वृद्ध लोगों को क्या करते हुए देखा ?

.....

३. मूलु खाचर का अफीण का व्यसन कैसे छूट गया ?

.....

४. शांति भगत की गुरु की आज्ञा का पालन करने की उत्सुकता संक्षेप में लीखिए ।

.....

५. 'ठाकुर को पुत्र नहीं है ।' - यह सुनकर स्वामी ने संतों से क्या कहा ?

.....

६. जब पिता ने पूछा कि तुझे डर क्यों नहीं लगा ? तब डुंगरने क्या कहा ?

.....

प्राप्त गुण : प्रश्न-४

प्रश्न-५

७. श्रीजीमहाराज ने यज्ञ में बैठे हुए पंडितों और जगजीवन को क्या कहा ?

.....

.....

.....

प्र. ५. निम्नलिखित सही वाक्यों के सामने ✓ और गलत वाक्यों के सामने ✗ चिह्न कीजिए । [१०]

१. मुक्तानंद स्वामी का मन एक भी बार बंदर की ओर गया नहीं ।
२. सिनेमा नहीं देखना चाहिए क्योंकि उससे भगवान और धर्म के मार्ग से चलित हो जाते हैं ।
३. गुणातीतानंद स्वामी की वाणी ऐसी चुटकीली थी कि इससे किसी भी व्यक्ति के व्यसन छूट जाते थे ।
४. योगीजी महाराज हर पाँच दिन के बाद उपवास करते थे ।
५. गुणातीतानंद स्वामी संवत् १९३२ को अश्विन शुक्ला द्वादशी, गुरुवार को धाम में गये ।
६. श्रीजीमहाराज ने अरदेशर कोतवाल को अपनी पाहुनी भेट में दी ।
७. योगीजी महाराज ने १७ साल की उम्र में साधु की दीक्षा ली ।
८. सुंदरजी सुथार ने कुलदेवी को प्रसन्न करने के लिये मुंडन करवाया था ।
९. श्रीजीमहाराज ने डभाण के यज्ञ के समय सबको गोहूँ पीसने के लिये दिये थे ।
१०. लाडुबा-जीवुबा स्त्रीओं को सत्संग करवाते थे ।

प्र. ६. नीचे दिए किसी एक पाठ पर दस पंक्तियों में टिप्पणी लिखें । [१०]

१. दुगने कदम चले ।
२. पाप का पर्वत ।
३. बालकों पर सदा प्रसन्न ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्राप्त गुण : प्रश्न-६

प्रश्न-७

प्र. ७. नीचे दी गई स्वामी की बातें पूर्ण कीजिए । (किन्हीं पाँच)

[१०]

१. यह तो भगवान जैसे

.....

२. सयाने हो उसे

.....

३. सत्य, हित और

.....

४. भगवान भजने के लिये

.....

५. पाँच-दस बार

.....

६. यदि महान पुरुष

.....

७. जिसके गुरु

.....



प्र. ८. विभाग 'ब' में से योग्य शब्द पसंद कर विभाग 'अ' के साथ जोड़े बनाइए । [५]

'अ'

'ब'

- | | |
|---|-------------------------|
| १. भादरावाले निर्गुणानंद | १. गोपालानंद स्वामी । |
| २. मूलजी का नाम रखनेवाला | २. सहजानंद स्वामी । |
| ३. मैं तुम्हारे में अखंड रहा हूँ ऐसा कहनेवाला | ३. गुणातीतानंद स्वामी । |
| ४. भगतजी को अक्षरधाम की पहचान करानेवाला | ४. मुक्तानंद स्वामी । |
| ५. सुरत में गुणातीतानंद स्वामी की महिमा जाननेवाला | ५. रामानंद स्वामी । |

प्र. ९. निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक की पाद - पूर्ति कीजिए । (किन्हीं पाँच) [१०]

१. सूरण पूरण ने
- छमकारी ।
२. नथी अमारी
- हृदय अमारा ।
३. सर्वेडत्र सुखिनः
- दुःखमाप्नुयात् ॥
४. लविंग सोपारी
- ब्रह्मचारी ।
५. आचारः परमो
- किं न साध्यते ।
६. भोला थईने
- प्राण अमारा ।

प्राप्त गुण : प्रश्न-९ प्रश्न-१०

७. अतिमनोहरं.....
.....
..... नित्य दर्शने ।

प्र. १०. निम्नलिखित में से किसी भी एक पाठ पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए । [१०]

१. अखंड रहा हूँ । २. घर मंदिर । ३. सगराम भगत ।

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....